

# 白山诗词

李澍田 主编 吉林文史出版社

岳麓山房書齋

四集



李澤厚

主编

白山诗词

四集

白山诗词

吉林文史出版社

## 《长白丛书》序

吉林师范学院李澍田同志，悉心专研历史，关心乡邦文献，于教学之余，搜罗有关吉林的书刊，上自古代，下迄辛亥，编为《长白丛书》，征序于予，辞不获命。爰缀予所知者书于简端曰：

昔孔子有言：“夏礼吾能言之，杞不足征也。殷礼吾能言之，宋不足征也。文献不足故也，足则吾能征之矣。”说者以为：“文，典籍也。献，贤也。”这是因为文献对于历史研究相辅相成，缺乏必要的文献，历史研究便无从着手。古代文献，如十三经、二十四史之属，久已风行海内外，家传户诵，不虞其失坠，而近代文献往往不易保存。清代学者章学诚对此曾大声疾呼，唤起人们的注意。于其名著《文史通义》中曾详言之。然而，保存文献并不如想象那么容易。贵远贱近，习俗移人，不以为意，随手散弃者有之。保管不善，毁于水火，遭老鼠批判者有之。而最大损失仍与政治原因有关。自清朝末叶以来，吉林困厄极矣，强邻环伺，国土日蹙，先有日、俄帝国主义战争，继有军阀割据，九一八事变后，又有伪十四年统治，国土沦亡，生民憔悴。在政权更迭之际，人民或不免于屠刀，图书文物更随时有遭毁灭和掠夺命运。时至今日，清代文书档案几如凤毛麟角，九一八以前书刊也极为罕见。大抵有关抨击时政者最先毁灭，有关时事者则几无孑遗。欲求民国以来一份完整无缺地方报纸已不可能，遑论其它。

建国以来，百废俱兴，文教事业空前发展。而中经十年浩劫，公私图书蒙受极大损失，断简残篇难以拾缀。吉林市旧家藏书，文革期间遭到洗劫，损失尤重。粉碎四人帮后，祖国复兴，文运欣欣向荣，在拨乱反正的号召下，由陈云同志领导，大张旗鼓，整理古籍，一反民族虚无主义积习，尊重祖国悠久文化传统，为振兴中华，提供历史借鉴。值此大好时机，李澍田同志以一片爱国爱乡的赤子之心，广泛搜求有关

吉林文史图书，不辞劳苦，历访东北各图书馆，并远走京沪各地，仆仆风尘，调查访问，即书而求人，因人而求书，在短短几年期间内，得书逾千，经过仔细筛选，择其有代表性者三百种，编为《长白丛书》。盖清代中叶以来，吉林省疆域迭有变迁，而长白山钟灵毓秀，巍然耸立，为吉林名山，从历史上看，不咸山于《山海经·大荒北经》中也有明确记录，把长白山当作吉林的象征，这是合情合理的。

丛书中所收著作，以清人作品为最多，范围极其广泛，自史书、方志、游记、档案、家谱以下，又有各家别集、总集之属。为网罗散佚，在宋、辽、金以及明代的著作之外，又以文献征存、史志辑佚、金石碑传补其不足，取精用宏，包罗万象，可以说是吉林文献的总汇。对于保存文献，具有重大贡献。

回忆酝酿编余之际，李澍田同志奔走呼号，独力支撑，在无人、无钱的条件下，邀集吉长各地的中青年同志，乃至吉林的一些老同志。群策群力，分工合作，众志成城，大业克举。在整理文献的过程中，摸索出一套先进经验，培养出一支坚强队伍。这也是有志者事竟成的一个范例。

我与李澍田同志相处有年，编订此书之际，澍田同志虚怀若谷，对于书刊的搜求，目录的选定，多次征求意见。今当是书即将问世之际，深喜乡邦文献可以不再失坠，故敢借此机会聊述所怀。殷切希望读此书者，要从祖国的悲惨往事中，培养爱祖国、爱乡土的心情，激发斗志，为四化多作贡献。也殷切希望读此书者能够体会到保存文献之不易，使焚琴煮鹤的蠢事不要重演。

当然，有关吉林的文献并不以书刊为限，在清代一朝就有大量的满、蒙文的档案和图书，此外又有俄、日、英、美各国的档案和专著，如能组织人力，有计划、有步骤地进行整理，提要钩玄勒成专著，先整理一部分，然后逐渐扩大，这也是不朽的盛业，李君其有意乎？

一九八六年五月一日

吉林 陈连庆 谱序

白  
山  
詩  
林

长白铁梅庵纂集  
吉林李雅超校注

## 重刊前言

铁保纂集的《白山诗介》，自1801年（清嘉庆六年）首刊迄今近二百载。此书于国内久不流传，近乎湮没。《长白丛书》校注重刊，实乃首次，为研究我国清代满族诗人之作，提供了弥足珍贵的资料。

铁保纂集此书旨在：“观诸先辈所为诗，雄伟瑰奇，汪洋浩瀚，则又长白、混同磅礴郁积之余气所结成者也。怀前辈典型，战伐之余，不废歌咏，从政之暇，抒写性情。不必沾沾于章句，而自有卓荦不可磨灭之气流露天壤。可以兴，可以观，争自策励以勉。”所辑之诗，上自清太宗崇德年间，下迄清高宗乾隆之时，近一百五十年间的满族诗人作品极为宏富。在清诗诸多选本中，以专辑满族作家为主的诗集，这是第一部。

铁保（1752—1824），字治亭，号梅庵。满洲长白人。乾隆三十七年进士。铁保著述甚丰，有《惟清斋全集》传世。所辑《熙朝雅颂集》，为保存民族文献资料做出了贡献。

《白山诗介》共十卷，收诗人一百四十余位，选诗近八百篇。其中著名诗人，清太宗时有“满洲文学之开”的鄂貌图；清世祖时有范成謨；清圣祖时有纳兰性德、揆叙、刘廷玑、高其倬、德龄等；清世宗时有戴亨、鲍珍、李鍇、陈景元、长海等；清高宗时有德保、梦麟、朱孝纯等，可称诗才济济。

铁保主张：“诗贵真。各随其性之所述，不可一律相绳”；“诗以气味品格为上，词藻次之”；“诗随境变，境迁则诗亦迁”等。故所辑之诗，大都上乘佳篇，异彩纷呈，比诸中原诗作，更有其独特风韵。《长白丛书》刊注此书，名符其实。

本书底本系嘉庆辛酉孟春木刻本。底本原无目录，目录为编者所加。底本原无标点，经校勘新加标点，并改繁体字为简化字。底本原诗佳句，均有圈点，排印不便，尽皆删除。文字勘校，据内勘通例订正出注。人名、地名、典故等注释，力求详明。

本诗集校注者为吉林师范学院古籍研究所李雅超先生。金国泰先生初审，刘乃中先生复审，李澍田先生终审。谬误之处，敬请识者匡正。

编者

1991年6月

# 目 录

|          |      |          |      |
|----------|------|----------|------|
| 自序       | (1)  | 野田黄雀行    | (19) |
| 凡例       | (2)  | 行行且游猎篇   | (20) |
| 爵里姓氏     | (4)  | 江南       | (21) |
|          |      | 陈景元 (四首) |      |
| 卷一 古乐府   |      | 战城南      | (22) |
| 卞之钥 (二首) |      | 长歌行      | (22) |
| 宝刀歌      | (12) | 羽林郎      | (24) |
| 雁歌       | (12) | 鬻女行      | (25) |
| 明泰 (一首)  |      | 长海 (一首)  |      |
| 空城雀      | (13) | 白翎雀      | (26) |
| 僖同格 (一首) |      | 英廉 (二首)  |      |
| 牧牛唱      | (14) | 辘轳谣      | (26) |
| 常安 (二首)  |      | 梳发谣并序    | (27) |
| 怨歌行      | (14) | 梦麟 (十一首) |      |
| 古意       | (15) | 车遥遥篇     | (28) |
| 保禄 (一首)  |      | 雉朝飞      | (29) |
| 将进酒      | (16) | 饮马长城窟行   | (29) |
| 赛音布 (一首) |      | 采葛篇      | (30) |
| 饥啮槽      | (16) | 天马       | (31) |
| 伊福讷 (二首) |      | 思悲翁      | (32) |
| 老佛叹      | (17) | 战城南      | (33) |
| 歌风引      | (17) | 短歌行      | (34) |
| 李 错 (五首) |      | 虾鮋篇      | (35) |
| 射雉行      | (18) | 短兵篇      | (36) |
| 乌生八九子    | (19) |          |      |

|                |      |                 |      |
|----------------|------|-----------------|------|
| 大墙上蒿行          | (37) | 瀚海石笔山           | (57) |
| 朱学纯 (一首)       |      | 古北口             | (60) |
| 陇头水            | (37) | 喀喇河屯            | (62) |
| 养易斋主人 (六首)     |      | 阻风              | (63) |
| 浩歌行            | (38) | 明 泰 (三首)        |      |
| 节烈辞五首 和元人作     | (39) | 杂诗二首            | (64) |
| 高景芳 (五首)       |      | 夏夜独坐            | (66) |
| 维河有水三章         | (41) | 峻 德 (二首)        |      |
| 上留田            | (43) | 飞帛涧             | (66) |
| 输租行            | (44) | 题浮青岭            | (67) |
| <b>卷二 五言古诗</b> |      | <b>明 真</b> (二首) |      |
| 宗室赛尔赫 (二首)     |      | 夜意              | (68) |
| 冬夜示李秀才壮猷       | (45) | 晴               | (68) |
| 鹹关             | (46) | 戴 亨 (四首)        |      |
| 宗室永忠 (一首)      |      | 训士吟四首           | (68) |
| 寄剥山和尚          | (47) | 赛音布 (六首)        |      |
| 范成謨 (一首)       |      | 杂诗四首            | (71) |
| 偶成             | (48) | 赠别沈方舟           | (73) |
| 性 德 (五首)       |      | 送富东有            | (73) |
| 拟古三首           | (48) | 鲍 珍 (七首)        |      |
| 江行             | (50) | 浈阳峡             | (74) |
| 唆龙与经岩叔夜话       | (51) | 十八滩二首           | (75) |
| 探 叙 (一首)       |      | 玉渊潭             | (77) |
| 将游云林寺,自飞来峰至冷泉亭 |      | 延建道中三首          | (79) |
| 小憩,适以事阻,不入寺而返  |      | 李 锯 (三首)        |      |
|                | (51) | 北风篇送别马五舍人       | (81) |
| 高其倬 (六首)       |      | 自少林至西静室         | (85) |
| 牛栏山            | (54) | 泛舟东郭观打鱼晚值雨      | (86) |
| 南天门            | (55) | 陈景元 (三首)        |      |

|              |       |                   |
|--------------|-------|-------------------|
| 偶然作二首        | (87)  | 朱孝纯 (二首)          |
| 黄金窟          | (88)  | 夜投碛碉山 (108)       |
| 陈景中 (三首)     |       | 游白鹤庵 (109)        |
| 枯蓬           | (89)  | 恒 裕 (一首)          |
| 城南晚步         | (90)  | 雪霁晓发都门 (110)      |
| 秋水           | (90)  | 玉 保 (三首)          |
| 长 海 (二首)     |       | 秘魔崖 (111)         |
| 恒岳           | (91)  | 雨窗听仲梧弹琴分得琴字 (112) |
| 访牧山          | (91)  | 宿姚家庄 (113)        |
| 福增格 (二首)     |       | 希 光 (一首)          |
| 重游医无间山       | (92)  | 春夜 (114)          |
| 龙潭           | (93)  | 卷三 七言古诗           |
| 梦 麟 (七首)     |       | 宗室赛尔赫 (五首)        |
| 黑石关          | (93)  | 题李壮猷疆场决胜图 (115)   |
| 雄飞岭          | (95)  | 马射行 并序 (117)      |
| 黄茅驿          | (96)  | 龙湫行 (117)         |
| 黄沙渡          | (98)  | 耻庵香铜古镜歌 (118)     |
| 晨发董家堤遂趋河上    | (99)  | 戒坛古松歌 (119)       |
| 舟行朝次淮上       | (100) | 宗室文昭 (二首)         |
| 瓜步           | (100) | 校猎行 (120)         |
| 国 梁 (五首)     |       | 焦山古鼎歌 (121)       |
| 夜发酉阳过贵定微雨    | (101) | 性 德 (一首)          |
| 秋怀寄鹤珊弟并浙藩国云浦 |       | 柳条边 (123)         |
|              | (102) | 揆 叙 (四首)          |
| 游尘           | (103) | 宋中丞牧仲以宋本《施注苏诗》    |
| 谢雨篇          | (105) | 见惠，赋此奉谢 (124)     |
| 夜坐苦热         | (107) | 归化城观打鬼 (126)      |
| 甘运源 (一首)     |       | 黄 羊 (129)         |
| 冬夜梦醒不寐有述     | (107) | 鹰坊歌 (130)         |

|                 |       |                 |       |
|-----------------|-------|-----------------|-------|
| <b>曹 寅</b> (一首) |       | 赠李雄李库兄弟         | (158) |
| 铜鼓歌             | (131) | 读山大玉海歌          | (159) |
| <b>高其倬</b> (四首) |       | 鲤石行             | (161) |
| 望雪山             | (133) | 赭白马歌为慎郡王作       | (161) |
| 题陈南麓同年匡山读书图     | (135) | 登泰山观日出作         | (162) |
| 风氏园古松歌          | (137) | 同马汇川过万寿宫访王炼师不   |       |
| 彭湖曲为朱忠壮总戎作      | (138) | 遇,庭前有太湖石数枚,艮岳物  |       |
| <b>明 泰</b> (一首) |       | 也,作岳石歌          | (164) |
| 西苑玉海歌           | (140) | <b>唐 英</b> (一首) |       |
| <b>峻 德</b> (三首) |       | 起蛟行             | (165) |
| 寒夜鸣琴歌           | (142) | <b>梦 麟</b> (六首) |       |
| 华不注歌            | (144) | 晾甲石歌            | (166) |
| 过裴晋公祠           | (145) | 送友人从军           | (168) |
| <b>保 禄</b> (二首) |       | 登清凉山绝顶放歌        | (170) |
| 读山大玉海歌          | (146) | 长歌喜徐大快亭至饮酒作     | (172) |
| 清明日同人城南看花,各赋七言  |       | 上方角鹰歌           | (174) |
| 古诗追和宋苏东坡,明杨孟载两  |       | 登舞剑台展眺作歌        | (176) |
| 先生作             | (148) | <b>国 梁</b> (二首) |       |
| <b>明 爨</b> (三首) |       | 目疾呈泖塘           | (178) |
| 酒泉烈女歌           | (149) | 黄头吟             | (180) |
| 白骸              | (150) | <b>甘运源</b> (三首) |       |
| 寒夜怨             | (150) | 观打鱼歌            | (181) |
| <b>鲍 珍</b> (三首) |       | 小李将军海山旭日图卷同昆崖   |       |
| 观音岩             | (151) | 作               | (182) |
| 铜雀半砚歌为王秋驾赋      | (152) | 从军行             | (183) |
| 下滩行             | (155) | <b>朱孝纯</b> (四首) |       |
| <b>李 错</b> (八首) |       | 吴山采茶歌           | (184) |
| 观村人刈稼           | (156) | 江安王运堂明府留饮较射戏作   |       |
| 洋琴歌             | (157) |                 | (186) |

|                  |                     |
|------------------|---------------------|
| 毕阳军吏持纸乞画戏题长歌     | 佟 霽 (一首)            |
|                  | (186) 游盘山用壁间韵 (199) |
| 将去广安潘兰圃州牧坐中听洪    | 性 德 (二首)            |
| 西圃吴吟共话黄山之胜 (188) | 盛京 (199)            |
| 博 明 (一首)         | 觉罗满保 (二首)           |
| 谢何儒斋鲜荔枝 (189)    | 浦城 (200)            |
| 卷四 五言律诗          |                     |
| 宗室国瀛 (一首)        | 保安 (200)            |
| 大安寺 (191)        | 法 海 (一首)            |
| 宗室博尔都 (五首)       | 游栖霞寺 (201)          |
| 送友游粤东 (192)      | 夸 倦 (一首)            |
| 送友人北征 (192)      | 晴 (201)             |
| 送冯文子南旋二首 (193)   | 国 珍 (一首)            |
| 和季伟公过访留别原韵 (193) | 知 老 (202)           |
| 宗室赛尔赫 (四首)       | 刘廷玑 (一首)            |
| 马 (194)          | 新昌县 (202)           |
| 荆卿墓 (194)        | 石 芳 (一首)            |
| 秋斋 (195)         | 山行夜归 (202)          |
| 题华岳图 (196)       | 蔡 琛 (一首)            |
| 宗室文昭 (二首)        | 微雨晓坐 (203)          |
| 雨后 (196)         | 鄂尔泰 (五首)            |
| 夜雨即事 (197)       | 和蒙又上醉中放言 (203)      |
| 鄂貌图 (一首)         | 初度咏怀二首 (204)        |
| 泊岳州 (197)        | 辛亥九日东园作 (204)       |
| 范承谟 (一首)         | 西园 (205)            |
| 秋夜次嵇留山韵 (197)    | 赫 奕 (一首)            |
| 徐元梦 (三首)         | 望雨 (205)            |
| 送隋羲文出塞二首 (198)   | 高其倬 (三首)            |
| 登三屯镇城楼寓目 (199)   | 感 怀 (206)           |
|                  | 夜 (206)             |

|             |       |                 |       |
|-------------|-------|-----------------|-------|
| 晓起望湖上村落     | (207) | 秋夜              | (215) |
| 佛 喜 (一首)    |       | 秋眺              | (216) |
| 不寐          | (207) | 峻 德 (二首)        |       |
| 明 泰 (四首)    |       | 历下北归遥别任二开宗      | (216) |
| 送储大孝廉药坡南返二首 | (207) | 大梁拜信陵祠          | (217) |
| 久旱喜雨        | (209) | 保 禄 (一首)        |       |
| 雪中过寄闲留饮夜归   | (209) | 题张玉川照           | (217) |
| 索 泰 (一首)    |       | 明 真 (一首)        |       |
| 归来          | (209) | 秋晓              | (217) |
| 吴 麟 (二首)    |       | 戴 亨 (五首)        |       |
| 秋村即事        | (210) | 春望              | (218) |
| 戊申除夕        | (210) | 再游卧佛寺二首         | (218) |
| 赛尔登 (一首)    |       | 倚 檻             | (219) |
| 游烟霞窟        | (211) | 灵岩寺夜步           | (219) |
| 额勒洪 (二首)    |       | 方 泰 (二首)        |       |
| 送梅琢斯归宣城     | (211) | 夏日马上偶成          | (220) |
| 秋杪病中有感      | (212) | 车宜年新辟俞俞轩成,索予赠句  |       |
| 罗万成 (一首)    |       |                 | (220) |
| 舟泊村居偶题      | (212) | 卓奇图 (二首)        |       |
| 苏章阿 (二首)    |       | 岁 宴             | (221) |
| 秋原晚眺        | (213) | 简雨村             | (221) |
| 春怀          | (213) | 赛 音 布 (十二首)     |       |
| 德 龄 (二首)    |       | 村 居             | (222) |
| 感怀          | (213) | 赠刘生             | (222) |
| 东科尔寺        | (214) | 偶 成             | (223) |
| 朱 亮 (一首)    |       | 杜晓峰出塞           | (223) |
| 冷月堂夜坐       | (215) | 偶 感             | (223) |
| 嵩 山 (三首)    |       | 九 日 同 仁 西 山 登 高 | (224) |
| 山园雨后        | (215) | 废 寺             | (224) |

|                |       |                |       |
|----------------|-------|----------------|-------|
| 北郭登高望塞上诸山      | (225) | 废城             | (236) |
| 宿古北口           | (225) | 陈景中 (二首)       |       |
| 冬夜同沈方舟作        | (226) | 渡江             | (236) |
| 赠吴四师牧          | (226) | 经王氏故居          | (237) |
| 答沈方舟见寄之作       | (227) | 长 海 (一首)       |       |
| 鲍 珍 (二首)       |       | 登吴山            | (237) |
| 泊玉山头           | (227) | 送阿琛亭统领防秋塞外     | (238) |
| 大庙峡            | (227) | 永 亮 (三首)       |       |
| 贵 昌 (一首)       |       | 喜同年顾茨山至        | (239) |
| 游猎             | (228) | 宿蓟州            | (239) |
| 伊福讷 (二首)       |       | 白龙潭            | (240) |
| 初寒二首           | (228) | 卷五 五言律诗        |       |
| 寄方苧川           | (229) | 尹继善 (一首)       |       |
| 李 错 (九首)       |       | 送高南畴赴贵州臬司任,用袁子 |       |
| 闻雁二首           | (229) | 才赠行原韵二首        | (240) |
| 登楼             | (230) | 英 廉 (六首)       |       |
| 上方寺            | (230) | 初 冬            | (242) |
| 行吟石堂与山樵夜话      | (231) | 冬夜书怀           | (243) |
| 秋分前一日集五石瓠堂小饮,送 |       | 晚              | (243) |
| 别刘子东郊          | (231) | 渔 阳            | (244) |
| 幽 栖            | (232) | 入山海关           | (244) |
| 喜晤西涧上人         | (232) | 除 夕            | (245) |
| 招提寺            | (233) | 鄂容安 (二首)       |       |
| 陈景元 (七首)       |       | 首山朝阳寺          | (245) |
| 严陵钓台           | (233) | 独 夜            | (246) |
| 闻雁             | (234) | 双 庆 (一首)       |       |
| 三山口号二首         | (234) | 宿东园有感          | (246) |
| 冷 月            | (235) | 萨哈岱 (一首)       |       |
| 出山海关           | (235) | 至载儿京口官廨        | (247) |

|                 |       |                 |       |
|-----------------|-------|-----------------|-------|
| <b>唐 英</b> (三首) |       | <b>过合肥</b>      | (258) |
| 滩声              | (247) | <b>梦 麟</b> (三首) |       |
| 雨夜随潮渡钱塘江        | (248) | 广武原             | (258) |
| 秋兴              | (248) | 夜宿高桥            | (259) |
| <b>明 德</b> (二首) |       | 晚行沂上            | (259) |
| 偶感              | (249) | <b>博卿额</b> (一首) |       |
| 寄怀丰舒园           | (249) | 昭化舟中            | (260) |
| <b>观 保</b> (一首) |       | <b>图搭布</b> (一首) |       |
| 酉阳              | (250) | 郊居秋兴            | (260) |
| <b>福增格</b> (六首) |       | <b>寅 保</b> (三首) |       |
| 过忻州             | (251) | 沧州道中喜风          | (260) |
| 广泉寺             | (251) | 桐江晓发            | (261) |
| 登大观台            | (252) | 过庾岭             | (261) |
| 独坐偶成            | (252) | <b>国 梁</b> (三首) |       |
| 晓发风凌渡           | (253) | 即事              | (262) |
| 得谢卓亭书           | (253) | 杨显台观雨           | (262) |
| <b>兆 势</b> (二首) |       | 述怀              | (262) |
| 客馆春夕同絮斋听雪       | (254) | <b>甘运源</b> (二首) |       |
| 秋村杂咏            | (254) | 秋怀              | (263) |
| <b>白衣保</b> (三首) |       | 闻蝉              | (263) |
| 雨霁寻龙泉庵          | (255) | <b>甘运瀚</b> (三首) |       |
| 晓晴游大悲寺          | (255) | 冬夜梦醒有作          | (264) |
| 雪夜野望            | (256) | 署中偶然作,呈洛耆       | (265) |
| <b>舒 瞻</b> (二首) |       | 九日登高            | (265) |
| 秋夜鸳湖            | (256) | <b>汪 松</b> (五首) |       |
| 弄珠楼雨望           | (257) | 妫川晓发            | (266) |
| <b>国 柱</b> (一首) |       | 癸酉元日            | (266) |
| 伊犁              | (257) | 木兰道中            | (267) |
| <b>国 栋</b> (一首) |       | 苦雨              | (267) |

|               |       |                |       |
|---------------|-------|----------------|-------|
| 重渡青石梁         | (268) | 岁暮书怀二首         | (279) |
| 贾虞龙 (一首)      |       | 庆 兰 (一首)       |       |
| 秋日            | (268) | 和卫畏之对月有怀韵      | (280) |
| 穆 丹 (一首)      |       | 玉 保 (五首)       |       |
| 长老坪           | (269) | 重阳后一日宿龙泉庵二首    | (281) |
| 嵩 贵 (二首)      |       | 登宝珠洞最高阁        | (281) |
| 送史叶素北上        | (269) | 题《家牧子诗集》后即效其体二 |       |
| 苏门山即景         | (270) | 首              | (282) |
| 觉罗成桂 (一首)     |       | 德 昌 (二首)       |       |
| 青塔院精舍         | (270) | 晚次樊城           | (283) |
| 于宗瑛 (三首)      |       | 黄平道中即目         | (283) |
| 宿马氏园三首        | (271) | 怀 谦 (五首)       |       |
| 朱孝纯 (八首)      |       | 长夏             | (283) |
| 赤水河           | (272) | 宿三渡口           | (284) |
| 苍溪            | (273) | 早行             | (284) |
| 海岳庵           | (273) | 湘江夜泛           | (285) |
| 登江楼有感         | (274) | 夜雨             | (285) |
| 江上送客          | (274) | 养易斋主人 (二首)     |       |
| 良乡有寄          | (275) | 晓行             | (286) |
| 舟夜            | (275) | 野眺             | (286) |
| 途中述怀          | (276) | 希 光 (二首)       |       |
| 恒 裕 (六首)      |       | 秋夜             | (286) |
| 九日同舒冬翁于紫亭铭竹溪游 |       | 新年拜墓           | (287) |
| 马氏园林五首        | (276) | 卷六 七言律诗        |       |
| 黄村道中          | (278) | 宗室国瀛 (一首)      |       |
| 图 敏 (一首)      |       | 立秋夜坐           | (288) |
| 早发正定          | (278) | 宗室岳端 (二首)      |       |
| 庆 玉 (三首)      |       | 漠南             | (289) |
| 黄州怀东坡先生       | (279) |                |       |

|                |       |                |       |
|----------------|-------|----------------|-------|
| 归至中途复有北行之役因赋   | (289) | 大军次岳阳刘尔俊将赴荆门   | (298) |
| 宗室博尔都 (三首)     |       | 同陶五微刘尔俊夜登黄鹤楼   |       |
| 寄怀梅耦长          | (289) |                | (298) |
| 喜长沙岳州捷音踵至      | (290) | 姚启圣 (四首)       |       |
| 送素庵监牧口北        | (290) | 香山杂咏四首         | (299) |
| 宗室赛尔赫 (六首)     |       | 李基和 (二首)       |       |
| 重阳前六日寄怀蕉园舅氏兼呈  |       | 忆家             | (300) |
| 纯庵方伯           | (291) | 上巳前一日寄怀赵天英总戎   |       |
| 重阳前一日阅河复往津门作   |       |                | (301) |
|                | (291) | 佟 薄 (一首)       |       |
| 塞上旅怀           | (292) | 岁暮             | (302) |
| 春草             | (292) | 顾八代 (二首)       |       |
| 春朝遣怀           | (293) | 九江道上见羽书频驰马上口占  |       |
| 偶成             | (293) |                | (302) |
| 宗室文昭 (三首)      |       | 苍梧江亭月夜有感       | (303) |
| 步至南庄           | (294) | 性 德 (一首)       |       |
| 村中书事有怀城中诸友     | (294) | 山海关            | (303) |
| 秋堂夜雨           | (295) | 揆 叙 (六首)       |       |
| 鄂貌图 (一首)       |       | 游竹林寺           | (304) |
| 楚泽凯旋和王郡守韵      | (295) | 前题呈初白先生二首      | (305) |
| 卞三元 (一首)       |       | 和初白先生《雨中发自怡园》次 |       |
| 平凉有感           | (296) | 原韵             | (305) |
| 禅 岱 (四首)       |       | 重阳塞外行          | (305) |
| 刘尔俊自都赴长沙军中夜饮   |       | 慰姜西溟南宫下第兼以赠别   |       |
|                | (297) |                | (306) |
| 大军次衡阳西山斯夕予先之武昌 | (297) | 扈从昌平           | (306) |
|                |       | 法 海 (一首)       |       |
|                |       | 雨不止            | (307) |